कृषि वस्तुओं पर विनियोग और कराधान का बाइबिल सिद्धांत

इंजील में मूसा की बनाई पाँच पुस्तकों

इसलिए अब फ़िरौन एक समझदार और बुद्धिमान पुरुष को ढूँढ़कर उसे मिस्र देश पर अधिकारी नियुक्त करे। फ़िरौन ऐसा करे कि देश पर अधिकारी नियुक्त करे, और जब सातों वर्ष अच्छे हों, तब वे मिस्र देश का पाँचवाँ भाग अपने अधिकार में ले लें। और वे आने वाले अच्छे वर्षों की सारी भोजनवस्तु इकट्ठा करें, और फ़िरौन के अधीन अन्न इकट्ठा करके नगरों में भोजनवस्तु रखें। वह भोजनवस्तु मिस्र देश में आने वाले अकाल के सात वर्षों के लिए देश के भण्डार में रहे, ताकि देश अकाल से नाश न हो। उत्पत्ति 41:33-36

और उसने मिस्र देश में सातों वर्षों की सारी भोजनवस्तु बटोरकर नगरों में इकट्ठा किया, अर्थात् नगरों के चारों ओर के खेतों की जो भोजनवस्तु थी, उसे उसने उसी नगर में इकट्ठा किया। उत्पत्ति 41:48

यूसुफ के कहे अनुसार, सात वर्ष के अकाल पड़ने लगे; और अकाल सब देशों में पड़ा, परन्तु सारे मिस्र देश में अन्न था। जब सारा मिस्र देश भूखा हो गया, तब प्रजा ने फिरौन से रोटी माँगी; तब फिरौन ने सब मिस्रियों से कहा, “यूसुफ के पास जाओ; और जो कुछ वह तुम से कहे, वही करो।” उत्पत्ति 41:54-55

यूसुफ ने अपने पिता, भाइयों और अपने पिता के सारे घराने को उनके कुलों के अनुसार भोजन देकर पाला। और सारे देश में अन्न न रहा, क्योंकि अकाल बहुत भयंकर था, और मिस्र और कनान दोनों देश अकाल के कारण व्याकुल हो गए। और यूसुफ ने मिस्र और कनान दोनों देशों में जितना धन था, उस सब को उस अन्न के बदले जो उन्होंने मोल लिया था, इकट्ठा किया, और वह धन यूसुफ ने फिरौन के भवन में पहुँचाया। जब मिस्र और कनान दोनों देशों में धन समाप्त हो गया, तब सब मिस्री यूसुफ के पास आकर कहने लगे, "हमें भोजन दो, क्योंकि धन समाप्त हो गया है, तो हम तेरे रहते क्यों मरें?" यूसुफ ने कहा, "अपने पशु दे दो; यदि धन समाप्त हो जाए, तो मैं तुम्हें तुम्हारे पशुओं के बदले दूँगा।" तब वे अपने पशु यूसुफ के पास ले आए; और यूसुफ ने उन्हें घोड़ों, भेड़-बकरियों, गाय-बैलों और गधों की सन्ती भोजन दिया; और उस वर्ष के लिए उसने उनके सब पशुओं की सन्ती भोजन दिया।" जब वह वर्ष समाप्त हुआ, तो दूसरे वर्ष वे उसके पास आए और उससे कहा, "हम अपने प्रभु से यह बात न छिपाएँगे कि हमारा रुपया खर्च हो गया है; हमारे प्रभु के पास हमारे गाय-बैल भी हैं; हमारे प्रभु के सामने हमारे शरीर और भूमि को छोड़ और कुछ नहीं बचा। फिर हम और हमारी भूमि, दोनों ही तेरे देखते क्यों मर जाएँ? हमें और हमारी भूमि को भोजन के बदले मोल ले, कि हम और हमारी भूमि फिरौन के दास हों; और हमें बीज दे, कि हम जीवित रहें, मरें नहीं, और भूमि उजड़ न जाए।" और यूसुफ ने मिस्र की सारी भूमि फिरौन के लिए मोल ले ली; क्योंकि अकाल के कारण मिस्रियों ने अपनी-अपनी भूमि बेच दी थी; इस प्रकार भूमि फिरौन की हो गई। और उसने लोगों को मिस्र की सीमा के एक छोर से दूसरे छोर तक नगरों में बसाया। केवल याजकों की भूमि उसने न खरीदी; क्योंकि याजकों को फिरौन की ओर से एक भाग दिया गया था, और वे फिरौन का दिया हुआ भाग खाते थे; इस कारण उन्होंने अपनी भूमि न बेची।" तब यूसुफ ने लोगों से कहा, "देखो, मैंने आज तुम लोगों को और तुम्हारी भूमि को फ़िरौन के लिए ख़रीदा है। देखो, यहाँ तुम्हारे लिए बीज है, और तुम भूमि में बोना। और जो उपज हो, उसका पाँचवाँ भाग फ़िरौन को देना, और चार भाग तुम्हारे अपने होंगे, कि वे खेत में बीज बोएँ, और तुम्हारे, तुम्हारे घराने के लोगों के, और तुम्हारे बाल-बच्चों के भोजन के लिये हों।" उन्होंने कहा, "तूने हमारे प्राण बचाए हैं; हम अपने प्रभु की कृपादृष्टि हम पर बनाए रखें, और हम फ़िरौन के दास होंगे।" और यूसुफ ने मिस्र देश के विषय में यह नियम ठहराया, जो आज के दिन तक चला आता है, कि फ़िरौन को पाँचवाँ भाग मिले; केवल याजकों की भूमि को छोड़, जो फ़िरौन की नहीं हुई।" उत्पत्ति 47:12-26

विश्लेषण:

पट्टादाता: फिरौन (सरकार / सम्राट / राष्ट्रपति / राज्य)
पट्टेदार: किसान

कृषि मंत्री/सचिव: जोसेफ जैफनाथपानेआह "बीज वाहक"

कृषि भूमि आवंटन: कुल भूमि क्षेत्र का कम से कम 20% कृषि योग्य होना चाहिए

लाभ का बजट और प्रबंधन:
- कर और दशमांश: 20%
  - (फ़राओ के लिए 10%; पुजारियों के लिए 10% - चर्च और उनकी भूमि कर-मुक्त हैं।)
- किसानों का शुद्ध वेतन: 80%
  - (खेत के बीज के लिए 40% - बुवाई; भोजन के लिए 40%)

प्रत्येक शहर को अपना भोजन स्वयं उपलब्ध कराने में सक्षम होना चाहिए।

अधिकतम दक्षता के लिए लोगों को खाद्य आपूर्ति के निकट रहना चाहिए।

एक अर्थव्यवस्था जो खाद्यान्न (सोना, चाँदी, पैसा, क्रिप्टो, आदि नहीं) से नहीं, बल्कि खाद्यान्न से समर्थित है, अंततः ढह जाएगी। धीरे-धीरे, लेकिन निश्चित रूप से।

अकाल के दौरान भी भोजन की कीमत होती है और उसे खरीदना पड़ता है। यह कभी मुफ़्त नहीं होता।

भयंकर अकाल के दौरान धन का अभाव हो जाएगा। इसका विकल्प वस्तु विनिमय प्रणाली (गाय, घोड़े, भेड़-बकरियाँ, गधे, समय (रोज़गार/सेवा) के लिए भोजन) होगा। "काम नहीं तो खाना नहीं" की नीति लागू करें (2 थिस्सलुनीकियों 3:10)।

जो भी खाद्य आपूर्ति को नियंत्रित कर सकता है, वह कानून बना सकता है और लोगों को नियंत्रित कर सकता है।